28-07-2022

स्वदेश दर्शन योजना

समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही में पर्यटन मंत्रालय ने अपनी स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (SD2.0) के रूप में संशोधित किया है, जिसका उद्देश्य गंतव्यों पर स्थायी और ज़िम्मेदार बुनियादी ढाँचा विकसित करना है।

त्वरित मुद्दा?

- इसे वर्ष 2014-15 में देश में थीम आधारित पर्यटन सर्किट के एकीकृत विकास के लिये शुरू किया गया था। इस योजना के तहत पंद्रह विषयगत सर्किटों की पहचान की गई है- बौद्ध सर्किट, तटीय सर्किट, डेज़र्ट सर्किट, इको सर्किट, हेरिटेज सर्किट, हिमालयन सर्किट, कृष्णा सर्किट, नॉर्थ ईस्ट सर्किट, रामायण सर्किट, ग्रामीण सर्किट, आध्यात्मिक सर्किट, सूफी सर्किट, तीर्थंकर सर्किट, जनजातीय सर्किट, वन्यजीव सर्किट।
- यह केंद्र द्वारा 100% वित्तपोषित है और केंद्र एवं राज्य सरकारों की अन्य योजनाओं के साथ अभिसरण हेतु तथा केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और कॉर्पोरेट क्षेत्र की कॉर्पोरेट सामाजिक ज़िम्मेदारी (CSR) पहल के लिये उपलब्ध स्वैच्छिक वित्तपोषण का लाभ उठाने के प्रयास किये जाते हैं।

अन्य प्रमुख तथ्य?

- योजना के तहत पर्यटन क्षेत्र के लिये निम्नलिखित प्रमुख विषयों की पहचान की गई है।
  - संस्कृति और विरासत
  - साहसिक पर्यटन
  - पारिस्थितिकी पर्यटन
  - कल्याण पर्यटन
  - एमआईसीई पर्यटन
  - ग्रामीण पर्यटन
  - तटीय पर्यटन
- **परिभ्रमण-** महासागर और अंतर्देशीय।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- स्वदेश दर्शन और PRASAD (तीर्थयात्रा कायाकल्प एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्द्धन अभियान) योजनाओं के तहत पर्यटन मंत्रालय पर्यटन के बुनियादी ढाँचे के विकास के लिये राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।
- इस योजना के तहत परियोजनाओं निधियों की उपलब्धता, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत करने, योजना दिशा-निर्देशों का पालन करने और पूर्व में जारी धन के उपयोग के अधीन स्वीकृत किया जाता है।
- पर्यटन को आर्थिक विकास और रोज़गार सृजन के प्रमुख इंजन के रूप में स्थापित करना।
- नियोजित और प्राथमिकता के आधार पर पर्यटन क्षमता वाले सर्किट विकसित करना।
- पहचान किये गए क्षेत्रों में आजीविका उत्पन्न करने के लिये देश के सांस्कृतिक और विरासत मूल्य को बढ़ावा देना।
- सर्किट/गंतव्यों में विश्व स्तरीय स्थायी बुनियादी ढाँचे को विकसित करके पर्यटकों के आकर्षण को बढ़ाना।
- समुदाय आधारित विकास और गरीब समर्थक पर्यटन दृष्टिकोण का पालन करना।
- आय के बढ़ते स्रोतों, बेहतर जीवन स्तर और क्षेत्र के समग्र विकास के संदर्भ में स्थानीय समुदायों में पर्यटन के संदर्भ में जागरूकता बढ़ाना।

- उपलब्ध बुनियादी ढाँचे, राष्ट्रीय संस्कृति और देश भर में प्रत्येक क्षेत्र के विशिष्ट स्थलों के संदर्भ में विषय-आधारित सर्किटों के विकास की संभावनाओं एवं लाभों का पूरा उपयोग करना।
- आगंतुक अनुभव/संतुष्टि को बढ़ाने के लिये पर्यटक सुविधा सेवाओं का विकास करना।
- 'वोकल फॉर लोकल' के मंत्र के साथ स्वदेश दर्शन 2.0 नामक नई योजना का उद्देश्य पर्यटन गंतव्य के रूप में भारत की पूरी क्षमता को साकार कर "आत्मनिर्भर भारत" के लक्ष्य को प्राप्त करना है।
- स्वदेश दर्शन 2.0 एक वृद्धिशील परिवर्तन नहीं है, बल्कि स्थायी और ज़िम्मेदार पर्यटन स्थलों को विकसित करने के लिये स्वदेश दर्शन योजना को एक समग्र मिशन के रूप में विकसित करने हेतु पीढ़ीगत बदलाव है।
- यह पर्यटन स्थलों के सामान्य और विषय-विशिष्ट विकास के लिये बेंचमार्क एवं मानकों के विकास को प्रोत्साहित करेगी ताकि राज्य परियोजनाओं की योजना तैयार करने एवं विकास करते समय बेंचमार्क तथा मानकों का पालन किया जा सके।

प्रारंभिक परीक्षा मे पूछे जाने वाला संभावित प्रश्न

प्रश्न-केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन योजना के तहत पहली किस परियोजना का उद्घाटन किया जाएगा ?

(a) 'नॉर्थ ईस्ट सर्किट: इम्फाल और खोंगजोम'

(b) 'नॉर्थ ईस्ट सर्किट: गंगटोक और खोंगजोम'

(c) 'नॉर्थ ईस्ट सर्किट: मिजोरम और गुवाहाटी'

(d) 'नॉर्थ ईस्ट सर्किट: इम्फाल और शिलॉंग'

उत्तर-(a) 'नॉर्थ ईस्ट सर्किट: इम्फाल और खोंगजोम'

भारत में 5 नए रामसर स्थल

समाचार पत्रों में क्यों?

भारत ने अंतरराष्ट्रीय महत्व के पांच नए आर्द्रभूमि स्थल नामित किए हैं, जिसमें तमिलनाडु में तीन आर्द्रभूमि स्थल (करीकिली पक्षी अभयारण्य, पल्लिकरनई मार्श रिजर्व फॉरेस्ट और पिचवरम मैंग्रोव), मिजोरम में एक (पाला आर्द्रभूमि) और मध्य प्रदेश में एक आर्द्रभूमि स्थल (साख्य सागर) शामिल हैं।

त्वरित मुद्दा?

- इस प्रकार, देश में रामसर स्थलों की कुल संख्या 49 से बढ़कर 54 हो गयी है।
- केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री, भूपेंद्र यादव ने कहा, "यह बताते हुए खुशी हो रही है कि 5 और भारतीय आर्द्रभूमि को अंतरराष्ट्रीय महत्व के आर्द्रभूमि के रूप में रामसर की मान्यता मिली है।"

अन्य प्रमुख तथ्य?

रामसर सूची का उद्देश्य

- रामसर सूची का उद्देश्य आर्द्रभूमि के एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को विकसित करना और बनाए रखना है जो वैश्विक जैविक विविधता के संरक्षण के लिए और उनके पारिस्थितिक तंत्र घटकों, प्रक्रियाओं और लाभों के रखरखाव के माध्यम से मानव जीवन को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- **करीकिली पक्षी अभयारण्य :-** कांचीपुरम जिले में स्तिथ इस अभ्यारण्य में 100 से ज्यादा पक्षी प्रजातियां पाई जाती हैं।
- **पल्लिकरनई मार्श रिजर्व फॉरेस्ट :-** यह चेन्नई में एक मीठे पानी का मार्श है जो बंगाल की खाड़ी के निकट स्तिथ है।
- **पिचवरम मैंग्रोव :-** यह भारत के सबसे बड़े मेंग्रोव वनों में से एक है, जो लगभग 180 प्रजातियों का घर है।
- **पाला अर्द्धभूमि :-** यह एक प्राकृतिक झील है, पाला या पालक झील मिजोरम के सियाहा जिले के फुरा गॉव में स्तिथ है।
- **साख्य सागर :-** शिवपुरी में साख्य सागर झील एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण है।
- रामसर साइट एक आर्द्रभूमि स्थल है जिसे रामसर कन्वेंशन के तहत अंतरराष्ट्रीय महत्व के लिए नामित किया गया है।
- रामसर नाम ईरान के रामसर शहर से आया है, जहां इस संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे।
- आर्द्रभूमि पर कन्वेंशन को रामसर कन्वेंशन के रूप में भी जाना जाता है।
- यह यूनेस्को द्वारा 1971 में स्थापित एक अंतर सरकारी पर्यावरण संधि है और 1975 में लागू हुई।
- रामसर स्थलों के रूप में घोषित आर्द्रभूमि सम्मेलन के सख्त दिशानिर्देशों के तहत संरक्षित हैं।

प्रारंभिक परीक्षा मे पूछे जाने वाला संभावित प्रश्न

प्रश्न- भारत में सबसे बड़ा रामसर स्थल कौन सा है?

(A) सुंदरबन
(B) वेम्बनाड
(C) लोकटक
(D) लोनार

उत्तर: (A) सुंदरबन

प्रश्न- निम्नलिखित में से रामसर कन्वेंशन (Ramsar Convention) के बारे में सही कथन चुनें -

1. वेटलैंड्स का कन्वेंशन (Convention of Wetlands) 1971 में स्थापित किया गया था.
2. भारत ने 1 फरवरी 1982 को रामसर कन्वेंशन (Ramsar Convention) पर हस्ताक्षर किए थे.

(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (C) 1 और 2 दोनों

प्रश्न- भारत में पहली रामसर साइट कौन सी थी?

(A) वेम्बनाड कोल वेटलैंड
(B) वुलर झील
(C) केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान
(D) रेणुका वेटलैंड

उत्तर: (C) केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान